_/_ हिंडो तो घलादे सतगुरु _/_

हिंडो तो घलादे सतगुरु म्हारा बाग़ में जी |
सतगुरु म्हारा, हिंडे हिंडे सुरता नार ||

काया तो नगरिये में सतगुरु म्हारा आमली जी |
सतगुरु म्हारा छाई छाई च्यारू मेर || १ ||

अगर चन्दन को सतगुरु म्हारा पालणों जी |
सतगुरु म्हारा रेशम डोर घलाय || २ ||

पांच सखी मिल पाणीडे न निसरी जी |
सतगुरु मेरा पांचू ही एक ऊणीयार || ३ ||

नाथ गुलाब से सतगुरु म्हारा विनती जी |
सतगुरु मेरा गावै गावै भानीनाथ || ४ ||

जय श्री नाथजी की .....